(GCF-3, GCF-7, GCF-14, MCF-1 & SCF-2)

DATE: 10.10.2019 **MAXIMUM MARKS: 100** **TIMING: 2 Hours**

ECONOMICS AND COMMERCIAL KNOWLEDGE

All Questions is compulsory.

(1) Ans. c
Explanation:
दीर्घकाल में माँग एवं पूर्ति दोनों परिवर्तित हो सकती है।

(2) Ans. c
Explanation:
बाजार में कीमत तथा उत्पादन का साम्य सीमान्त लागत वक्र और सीमान्त आगम वक्र से निर्धारित होता है।

(3) Ans. c
Explanation:
अर्थशास्त्र सीमिति संसाधनों के प्रबंध से संबंधित है।

(4) Ans. b
Explanation:
यदि माँग लोचदार हो तो कीमत घटने पर कुल व्यय बढ़ता है।

(5) Ans. d
Explanation:
केवल सन्तुष्टी ही उपयोगिता है।

(6) Ans. c
Explanation:
उपभोक्ता की बचत = सीमांत उपयोगिता – मूल्य
320 – 180 = 140

(7) Ans. d
Explanation:
उपरोक्त सभी उद्यमी के उद्देश्य है।

(8) Ans. c
Explanation:
मनुष्य पदार्थ नहीं बना सकता।

(9) Ans. b
Explanation:
सीमान्त लागत में वृद्धि उत्पादन को घटाती है तथा सीमान्त आगम में वृद्धि उत्पादन को बढ़ाती है।

(10) Ans. d
Explanation:
एक फर्म का उद्देश्य लागत को घटाना तथा लाभ को बढ़ाना है।

(11) Ans. c
Explanation:

विज्ञापन लागत, उपभोक्ताओं के लिए डिस्काउंट ऑफर तथा विक्रेताओं के लिए प्रोत्साहन राशि विक्रय लागतों में शामिल है।

(12) Ans. b
Explanation:
सन्तुलन वह अवस्था है, जहां मांग व पूर्ति दोनों ही समान होते है।

(13) Ans. a
Explanation:
अल्पकाल में ना तो नई फर्म प्रवेश कर सकती है और ना ही बर्हिगमन।

(14) Ans. a
Explanation:
निजी उद्योग केवल लाभ के लिए कार्य करते है।

(15) Ans. b
Explanation:
उपयोगिता की गणनावाचक विचारधारा के अनुसार मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता स्थिर होती है।

(16) Ans. a
Explanation:
सीमान्त उपयोगिता जब मूल्य से अधिक होता है, तब उपभोक्ता की बचत प्राप्त होती है।

(17) Ans. a
Explanation:
उदासीनता वक्र की प्रमुख मान्यता प्रतिस्थापन्न की सीमान्त दर का घटना है।

(18) Ans. c
Explanation:
एक फर्म द्वारा विक्रय लागतों पर खर्च बढ़ाने से मांग पर जो प्रभाव पड़ता है, वह विज्ञापन की लोच कहलाता है।

(19) Ans. b
Explanation:
बाजार का अध्ययन करके तथा उपभोक्ता के व्यवहार पर प्रयोग के बाद भविष्य में मांग का अनुमान लगाना बाजार प्रयोग विधि कहलाता है।

(20) Ans. c
Explanation:
आर्थिक उद्देश्य भावनात्मक सम्बन्धों से जुड़े नहीं होते है।

(21) Ans. d
Explanation:
पूर्ति की चाप लोच का सूत्र $\frac{q_1 - q_2}{q_1 + q_2} \times \frac{p_1 + p_2}{p_1 - p_2}$ & $\frac{\Delta Q}{Q} \times \frac{P}{\Delta P}$ है।

(22) Ans. b
Explanation:
गणनावाचक विचारधारा मांग के नियम को व्यक्त करने में मदद करती हैं।

(23) Ans. d

Explanation:
सीमान्त लागत वक्र (MC वक्र) AC वक्र को उसके न्यूनतम बिंदु पर काटता है।

(24) Ans. a
Explanation:
क्योंकि दोनो वस्तुऐं असंबधित है तथा उनका आपस में कोई सम्बन्ध नहीं है तथा जिन वस्तुओं का आपस में कोई सम्बन्ध नहीं होता उनकी ऑडी या तिरछी लोच शून्य होती है।

(25) Ans. a
Explanation:
पूर्ति में संकुचन अर्थात् ''पूर्ति मात्रा में कमी'' वस्तु विशेष की कीमत में कमी के कारण ही होती है।

(26) Ans. a
Explanation:
सीमान्त उपयोगिता कुल उपयोगिता के विपरीत अनुपात के होती है।

(27) Ans. b
Explanation:
TP का मान घटती हुई दर से बढ़ता है क्योंकि MP का मान धनात्मक रूप से बढ़ता है।

(28) Ans. d
Explanation:
AVC वक U आकार का होता है।

(29) Ans. a

(30) Ans. c

(31) Ans. d
Explanation:
P_1 = 8/- Q_1 = 80
P_2 – 10/- Q_2 = 100

$$= e_a = \left\{ \frac{Q_1 - Q_2}{Q_1 + Q_2} \times \frac{P_1 + P_2}{P_1 - P_2} \right\}$$

$$= \left\{ \frac{20}{180} \boldsymbol{x} \frac{18}{2} \right\}$$

= 1

(32) Ans. a
Explanation :
चूँकि जब किसी वस्तु का मूल्य बढ़ता है, तो उसकी मांगी गयी मात्रा में संकुचन होता है, तथा वस्तु का मूल्य घटने पर मांगी गयी मात्रा में विस्तार होता है।

(33) Ans. c

(34) Ans. d

(35) Ans. c

(36) Ans. a

Explanation:
MRSxy निरंतर घटती रहती है इस कारण वश तटस्थता वक्र बायें से दायें ओर ऋणात्मक ढाल वाला होता है।

(37) Ans. d
Explanation:
AC जहाँ न्यूनतम होती है वहाँ MC, AC के बराबर होती है इसे उत्पादन का कुशलतम बिंदु कहते हैं।

(38) Ans. c

(39) Ans. c

(40) Ans. b
Explanation:
क्योंकि पूर्णतया बेलोचदार मॉग के अन्तर्गत मॉग मात्रा में कोई परिवर्तन नहीं होता (e = 0) अतः स्थानापन्नो की उपलब्धता मॉग मात्रा को प्रभावित नहीं करती क्योंकि कीमत में किसी भी प्रकार का परिवर्तन मॉग मात्रा में कोई परिवर्तन नहीं लाता।

(41) Ans. d

(42) Ans. b
Explanation:
आंशिक अल्पाधिकार के अन्तर्गत, जब उद्योग पर एक बड़ी फर्म का वर्चस्व होता है तथा वह फर्म ही मूल्य नेतृत्व करती है।

(43) Ans. c
Explanation:
सीमान्त लागत वक्र को पूर्ति वक्र कहते हैं, क्योंकि सीमान्त लागत उत्पादन के बढ़ने के साथ–साथ बढ़ती जाती है।

(44) Ans. a

(45) Ans. a

(46) Ans.c

(47) Ans. a

(48) Ans. a

(49) Ans. c
Explanation:
चूंकि $MP_n = TP_n - TP_{n-1}$.

(50) Ans. c
Explanation:

Since $AFC = \frac{TFC}{Q}$ $\qquad AVC = \frac{TVC}{Q}$

$$20 = \frac{TFC}{4} \qquad 40 = \frac{TVC}{5}$$

$TFC = 80 \qquad TVC = 200$

Since $TC = TFC + TVC$

$TC = 80 + 200$

$TC = 280$

Ac at 5 unit $= \frac{TC}{Q} = \frac{280}{5} = 56 \quad Ans.$

(51) Ans. b
Explanation:
चूंकि MR जब शून्य होता है जब TR अधिकतम होता है।

(52) Ans. a
Explanation:
चूंकि पूर्ति आधिक्य साम्य मूल्य घटाता है।

(53) Ans. d

(54) Ans. a
Explanation:
चूंकि सर राबर्ट गिफिन स्काटिश थे।

(55) Ans. a
Explanation:
Since $ATC = \frac{TFC}{Q} + \frac{TVC}{Q}$

Or

$ATC = AFC + AVC$

(56) Ans. c

(57) Ans. b
Explanation:
चूंकि पूर्ण प्रतियोगिता में लाभ अधिकतम की शर्त MR=MC होता है।

(58) Ans. d
Explanation:
अल्पाधिकार में मांग वक्र के ऊपरी हिस्से पर लोच इकाई से अधिक होती है, ओर निचले भाग पर इकाई से कम।

(59) Ans. a
Explanation:
चूंकि औधागिक उत्पाद में लोच e > 1 होती है।

(60) Ans. d
Explanation:
चूंकि भूमि में उपरोक्त सभी लक्षण होते हैं।

(61) Ans. d

(62) Ans. a

(63) Ans. b

(64) Ans. c

(65) Ans. b

(66) Ans. a

(67) Ans. d

(68) Ans. d

(69) Ans. b

(70) Ans. a

(71) Ans. d

(72) Ans. a

(73) Ans. c

(74) Ans. a

(75) Ans. d

(76) Ans. d

(77) Ans. c

(78) Ans. b

(79) Ans. d

(80) Ans. d

(81) Ans. b

(82) Ans. a

(83) Ans. b

(84) Ans. d

(85) Ans. b

(86) Ans. a

(87) Ans. c

(88) Ans. a

(89) Ans. d

(90) Ans. a

(91) Ans. c

(92) Ans. b

(93) Ans. c

(94) Ans. d

(95) Ans. a

(96) Ans. a

(97) Ans. a

(98) Ans. b

(99) Ans. b

(100) Ans. a

***